Series E1GFH/C

Set No. 2

प्रश्न-पत्र कोड **2/C/2**

अनुक्रमांक

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

हिन्दी (आधार)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | अधिकतम अंक : 80

नोट

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **13** प्रश्न हैं ।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल **13** प्रश्न हैं । सभी प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में **दो** खण्ड हैं – **खण्ड अ** और **खण्ड ब** ।

(iii) **खण्ड अ** में **45** बहुविकल्पी/वस्तुपरक उप-प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें से केवल **40** उप-प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं ।

(iv) **खण्ड ब** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं । प्रश्नों के उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं ।

(v) प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।

(vi) यथासंभव दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।

खण्ड अ
(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी ***एक*** पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

काव्यांश – 1

(क)

मुझे भ्रम होता है कि प्रत्येक पत्थर में
चमकता हीरा है,
हर एक छाती में आत्मा अधीरा है
प्रत्येक सुस्मित में विमल सदानीरा है,
मुझे भ्रम होता है कि प्रत्येक वाणी में
महाकाव्य पीड़ा है,
पलभर मैं सबमें से गुज़रना चाहता हूँ
इस तरह खुद को ही दिए-दिए फिरता हूँ
अजीब है ज़िंदगी !
बेवकूफ बनने की खातिर ही
सब तरफ अपने को लिए-लिए फिरता हूँ
और यह देख-देख बड़ा मज़ा आता है
कि मैं ठगा जाता हूँ ...
हृदय में मेरे ही,
प्रसन्नचित्त एक मूर्ख बैठा है
हँस-हँसकर अश्रुपूर्ण मन हुआ जाता है,
कि जगत स्वायत्त हुआ जाता है।

(i) 'मुझे भ्रम होता है कि प्रत्येक वाणी में महाकाव्य पीड़ा है' पंक्ति में 'महाकाव्य पीड़ा' से क्या अभिप्राय है ?

(a) प्रत्येक व्यक्ति के मन में महाकाव्य की तरह असीम पीड़ा लिखी है।
(b) प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में महाकाव्य की तरह असीम अनुभव छिपे हैं।
(c) प्रत्येक व्यक्ति के अंतर्मन में असीम पीड़ादायक अनुभव है, जिन पर महाकाव्य की रचना हो सकती है।
(d) प्रत्येक व्यक्ति के मन में पीड़ा तो है, किन्तु सब पर महाकाव्य की रचना नहीं हो सकती है।

(ii) 'पलभर मैं सबमें से गुज़रना चाहता हूँ' पंक्ति का क्या आशय है ?

(a) कवि सबके नज़दीक रहना चाहता है।
(b) कवि सबके जीवन की पीड़ा का अनुभव करना चाहता है।
(c) कवि सबके अनुभवों का लाभ उठाना चाहता है।
(d) कवि सभी रास्तों से गुज़रना चाहता है।

(iii) जो दूसरों के दुख को अपना दुख मानकर चलते हैं, समाज उनके बारे में क्या सोचता है ?

(a) उन्हें समझदार समझता है।

(b) उन्हें बेवकूफ समझता है।

(c) उनके बारे में सोचता ही नहीं है।

(d) उन्हें चालाक समझता है।

(iv) जब लोग कवि को भावनात्मक रूप से ठगते हैं तो कवि को कैसा महसूस होता है ?

(a) कवि को असीम आनन्द की प्राप्ति होती है।

(b) कवि को असीम दुख की प्राप्ति होती है।

(c) कवि की भावनाओं को ठेस पहुँचती है।

(d) कवि के ऊपर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

(v) उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर कवि के विषय में पता चलता है कि वह :

(a) भावुकता से परिपूर्ण है।

(b) विनम्रता से परिपूर्ण है।

(c) व्यावहारिकता से परिपूर्ण है।

(d) कोमलता से परिपूर्ण है।

अथवा

काव्यांश – 2

(ख) बरसती साँझ है
स्थगित मेघों ने डाल दिया है
आसमान में डेरा
पहले गरजे भयंकर
चिंघाड़ उठे हों
हाथियों के झुंड जैसे क्षितिज में
लंबे सफेद दाँतों-सी कड़कदार बिजली
काली विशाल देह
धूमिल अँधेरे का विस्तार
ऋतु चक्र में परिवर्तन की इस बेला में
सावन के आवारा मेघ

भटकते हुए आए हैं

पृथ्वी का पता पूछते

बरसो हे मेघ

जल्दी बरसकर खाली करो

शरद के लिए आसमानी सिंहासन

कि शरद अब आता होगा

आती होगी उसकी टपकाती देह

भरी-भरी हरी पृथ्वी

अब ठंडी चाँदनी से नहाएगी

धान को अभी पकना है

सुनहरा होना है

किसानों के बैरी न बनो मेघ

बरसो, बरसकर खाली करो गगन

हे अक्टूबर के अनाहूत मेघ !

(i) उपर्युक्त काव्यांश में कवि ने आसमान में गरजते बादलों की तुलना किससे की है ?

(a) लंबे सफेद दाँतों से
(b) हाथियों के झुंड से
(c) काली विशाल देह से
(d) धूमिल अँधेरे से

(ii) 'सावन के आवारा मेघ आसमान में कब आए हैं ?' इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए निम्नलिखित कथनों को पढ़कर उचित विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन :

I. सावन मास के प्रारंभ होने पर
II. सावन मास के अंत होने पर
III. वर्षा ऋतु की समाप्ति और शरद ऋतु के प्रारंभ होने पर
IV. ऋतु-चक्र में परिवर्तन की संधि-बेला पर

ऊपरलिखित कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं ?

(a) केवल IV
(b) I और II
(c) III और IV
(d) II, III और IV

(iii) 'जल्दी बरसकर खाली करो
शरद के लिए आसमानी सिंहासन' — इन काव्य-पंक्तियों में 'आसमानी सिंहासन' से क्या अभिप्राय है ?

(a) आसमानी रंग का सिंहासन
(b) आसमान के समान सिंहासन
(c) आसमान रूपी सिंहासन
(d) आसमान से बना सिंहासन

(iv) 'आती होगी उसकी टपकाती देह' – काव्य-पंक्ति के संदर्भ में लिखिए की शरद की देह क्या टपकाती आएगी ?

(a) ठंडी चाँदनी
(b) बारिश की बूँदें
(c) ओस की बूँदें
(d) चाँदनी-सी ओस

(v) कवि सावन के बादलों से आकाश खाली करने के लिए क्यों कह रहा है ?

(a) लगातार होने वाली बारिश से थकने के कारण
(b) बादलों को अनिमंत्रित अतिथि मानने के कारण
(c) शरद ऋतु के आगमन का स्वागत करने के लिए
(d) खेतों में खड़ी फ़सल के पकने के लिए

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए : *10×1=10*

मनुष्य और प्रकृति का गहरा नाता है। हमारा शरीर पाँच प्राकृतिक तत्त्वों से ही बना हुआ है। हमारा परिवेश भी प्रकृति के ही आधार पर बना हुआ है। मनुष्य सतत विकास की ओर अग्रसर रहता है। विकास होना भी चाहिए, लेकिन प्रकृति का विनाश करके नहीं। हरे-भरे जंगलों को काटकर, कंक्रीट के जंगल खड़े किए जा रहे हैं; नहरों, नदियों में स्वच्छ जल की अपेक्षा दूषित पानी की मात्रा अधिक हो गई है। मानव के स्वार्थ ने गंगा जैसी पवित्र नदी तक को नहीं छोड़ा है। कल-कारखानों एवं गाड़ियों द्वारा इतना प्रदूषण उत्सर्जित किया जा रहा है कि कई बार तो सही से साँस लेना भी दुष्कर कार्य प्रतीत होता है।

हम सारी खुशियाँ भौतिक साधनों या यंत्रों में तलाश रहे हैं। प्राकृतिक दृश्यों से हम आज भी आनन्दित होते हैं, यह पूर्णतया सत्य है; किन्तु क्या हमने प्रकृति को प्राकृतिक रूप में रहने दिया है। मोबाइल, टी.वी. आदि की स्क्रीन पर हमें सारे दृश्य अप्रतिम सुन्दर लगते हैं, किन्तु प्रकृति के साहचर्य में हम नहीं जाना चाहते और जाते भी हैं तो वहाँ भी हम प्रदूषण फैलाने में कोई कमी शेष नहीं छोड़ते। अभिमन्यु की तरह हम तथाकथित विकास के चक्रव्यूह में घुस तो गए हैं, पर उसे पार करने का मार्ग हमें सूझ ही नहीं रहा है। हम आगामी पीढ़ियों का भविष्य अंधकारमय करने की कोई कमी शेष नहीं छोड़ना चाहते हैं। सारी प्रकृति का दोहन स्वयं ही कर लेना चाहते हैं, ऊपर से झूठा अभिमान यह कि यह सब हम आगामी पीढ़ी का भविष्य रोशन करने के लिए ही कर रहे हैं।

जीवन की सार्थकता इसी में है कि भौतिकता की चाशनी में डूबे यांत्रिक जीवन को छोड़कर वास्तविक प्राकृतिक जीवन की शरण में जाया जाए और सीमित साधनों के उपयोग से ही जीवन को सुन्दरतम एवं आनन्दित बनाया जाए। इसका प्रारम्भ दूसरों को उपदेश देकर नहीं, अपितु स्वयं से प्रारम्भ करके अनुकरणीय उदाहरण छोड़ा जाए। जब सब ऐसा करने की ओर प्रवृत्त होंगे, तब हमारा परिवेश और जीवन सुन्दरतम एवं मधुरतम हो जाएगा।

(i) मनुष्य निरन्तर किसकी ओर अग्रसर रहता है ?

(a) प्रकृति की ओर

(b) विकास की ओर

(c) विनाश की ओर

(d) धर्म की ओर

(ii) निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) : विकास होना भी चाहिए, लेकिन प्रकृति का विनाश करके नहीं।

कारण (R) : विकास के साथ-साथ प्रकृति को नष्ट होने से भी बचाना होगा।

(a) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की ग़लत व्याख्या करता है।

(b) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ग़लत हैं।

(c) कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।

(d) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

I. नदियों में स्वच्छ जल की मात्रा बढ़ती जा रही है।

II. विकास के नाम पर कंक्रीट के जंगल खड़े किए जा रहे हैं।

III. हमारे परिवेश और प्राकृतिक परिवेश के आधार भिन्न हैं।

ऊपरलिखित कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं ?

(a) केवल I

(b) केवल II

(c) केवल III

(d) I, II एवं III सभी

(iv) मनुष्य सारी खुशियाँ कहाँ तलाश रहा है ?

(a) प्राकृतिक परिवेश में
(b) धार्मिक परिवेश में
(c) हरे-भरे वनों में
(d) भौतिक साधनों में

(v) मनुष्य का मन क्या देखकर आनन्द का अनुभव करता है ?

(a) नए-नए चलचित्र
(b) प्राकृतिक दृश्य
(c) कंक्रीट के जंगल
(d) मोबाइल स्क्रीन पर आने वाले संदेश

(vi) मनुष्य और प्रकृति के संबंध के विषय में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन ***असत्य*** है ?

(a) मनुष्य लगातार प्रकृति के साथ छेड़छाड़ कर रहा है।
(b) मनुष्य प्रकृति के साहचर्य में नहीं जाना चाहता।
(c) प्राकृतिक परिवेश को मनुष्य ने प्रदूषण रहित रखा है।
(d) मनुष्य यांत्रिक होता जा रहा है।

(vii) विकास के नाम पर प्रकृति के साथ खिलवाड़ करके आगामी पीढ़ी के लिए मनुष्य क्या कर रहा है ? गद्यांश के आधार पर लिखिए।

(a) उसका भविष्य सँवार रहा है।
(b) उसका भविष्य धूमिल कर रहा है।
(c) उसका भविष्य रोशन कर रहा है।
(d) उसके भविष्य के लिए व्यापक तैयारी कर रहा है।

(viii) मनुष्य जीवन की सार्थकता किसमें है ?

(a) यांत्रिक जीवन में
(b) प्राकृतिक जीवन में
(c) नगरीय जीवन में
(d) ग्रामीण जीवन में

(ix) जीवन को सुन्दरतम बनाने के लिए मनुष्य को निम्नलिखित में से कौन-से कदम उठाए जाने की जरूरत है ?

(a) साधनों का अधिकाधिक उपयोग करना
(b) दूसरों को अधिकाधिक उपदेश देना
(c) न्यूनतम साधन निर्भरता का स्व-उदाहरण प्रस्तुत करना
(d) भौतिकता की चाशनी का आनन्द उठाना

(x) उपर्युक्त गद्यांश में लेखक की चिंता का विषय है :

(a) मनुष्य की भौतिक साधनों पर बढ़ती निर्भरता

(b) मनुष्य और प्रकृति के बीच का बढ़ता असंतुलन

(c) मनुष्य का प्रकृति से विमुख होना

(d) मनुष्य का स्क्रीन पर समय बिताना

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

(i) निम्नलिखित में से समाचार-पत्र की आवाज़ किसे माना जाता है ?

(a) स्तंभ लेख

(b) फ़ीचर

(c) विशेष लेख

(d) संपादकीय

(ii) पत्रकारीय लेखन के संदर्भ में निम्नलिखित में से कच्चा माल किससे प्राप्त होता है ?

(a) संपादकीय से

(b) फ़ीचर से

(c) साक्षात्कार से

(d) स्तंभ लेख से

(iii) रेडियो समाचार की भाषा शैली किस प्रकार की होनी चाहिए ?

(a) मुहावरेदार आम बोलचाल की भाषा

(b) समाचार वाचक के लिए सहज पठनीय भाषा

(c) तत्सम शब्द प्रधान भाषा

(d) आम बोलचाल की भाषा

(iv) हिंदी नेट संसार के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों को ध्यान से पढ़िए :

I. हिंदी की वेब पत्रकारिता अभी अपने शैशव काल में है।

II. माइक्रोसॉफ्ट और वेबदुनिया ने यूनिकाड फ़ौंट बनाए हैं।

III. सभी सरकारी अनुभागों में हिंदी में काम हो रहा है।

ऊपर वर्णित कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं ?

(a) I और III

(b) II और III

(c) I और II

(d) केवल III

(v) कॉलम 'क' का कॉलम 'ख' से उचित मिलान कीजिए :

	कॉलम 'क'		कॉलम 'ख'
A.	मुद्रित माध्यम	I.	मौसम
B.	फ़ीचर	II.	डेडलाइन
C.	टेलीविज़न	III.	250 – 2000 शब्द-सीमा
D.	आर्द्रता	IV.	एक रेखीय माध्यम

(a) A-IV, B-I, C-II, D-III
(b) A-II, B-III, C-IV, D-I
(c) A-III, B-IV, C-I, D-II
(d) A-I, B-III, C-II, D-IV

4. निम्नलिखित पठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

छोटा मेरा खेत चौकोना
कागज़ का एक पन्ना,
कोई अंधड़ कहीं से आया
क्षण का बीज वहाँ बोया गया।
कल्पना के रसायनों को पी
बीज गल गया निःशेष;
शब्द के अंकुर फूटे,
पल्लव पुष्पों से नमित हुआ विशेष।

(i) काव्यांश में प्रयुक्त 'अंधड़' शब्द किसका प्रतीक है ?
(a) तूफान
(b) भावनात्मक आँधी
(c) वास्तविक आँधी
(d) चक्रवात

(ii) यहाँ कवि किस खेत के विषय में बात कर रहा है ?
(a) ईख के खेत के विषय में
(b) चौकोर खेत के विषय में
(c) कागज़ के पन्ने रूपी खेत के विषय में
(d) धान के खेत के विषय में

(iii) कवि ने अपने खेत में किस बीज की बुआई की ?

(a) फ़सलों के बीज की
(b) विचारों के बीज की
(c) व्यवहार के बीज की
(d) अन्न के बीज की

(iv) 'नमित' शब्द का अर्थ निम्नलिखित में से क्या है ?

(a) झुका हुआ
(b) नामित किया हुआ
(c) भ्रमित किया हुआ
(d) गिरा हुआ

(v) उपर्युक्त काव्यांश के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से ***असत्य*** कथन कौन-सा है ?

(a) कल्पना के रसायनों से बीज बेअसर रहता है।
(b) कल्पना के रसायनों से बीज विकसित होता है।
(c) साहित्यिक कृति भावनाओं रूपी बीजों के विगलित होने का परिणाम है।
(d) छोटा मेरा खेत कविता में कवि कर्म के हर चरण को व्याख्यायित करता है।

5. निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

सेवक-धर्म में हनुमान जी से स्पर्द्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या — नाम है लछमिन अर्थात् लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी। वैसे तो जीवन में प्राय: सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है; पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धि-सूचक नाम किसी को बताती नहीं। केवल जब नौकरी की खोज में आई थी, तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए उसने शेष इतिवृत्त के साथ यह भी बता दिया; पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं कभी नाम का उपयोग न करूँ।

(i) गद्यांश में भक्तिन को हनुमान जी से सेवक-धर्म में स्पर्द्धा करने वाली कहने का आशय है :

(a) राम की भक्ति में सतत लीन रहना
(b) महादेवी जी द्वारा उसका भक्तिन नाम दिया जाना
(c) महादेवी जी के जीवन में सेवाभाव से छा जाना
(d) महादेवी जी के सभी आदेशों का पालन करना

(ii) गद्यांश में 'मेरे नाम' शब्द से किसकी ओर संकेत किया गया है ?

(a) लेखिका महाश्वेता देवी
(b) लेखिका महेश्वरी देवी
(c) लेखिका सरस्वती देवी
(d) लेखिका महादेवी

(iii) निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) : भक्तिन अपने वास्तविक नाम का विरोधाभास लेकर जी रही है।

कारण (R) : अधिकांश लोगों के नाम और जीवन में समानता नहीं होती है।

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ग़लत हैं।

(b) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की ग़लत व्याख्या करता है।

(c) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(d) कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।

(iv) उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

I. भक्तिन महादेवी जी की सेवा में सदैव तत्पर रहती थी।

II. लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं थी।

III. भक्तिन ने अपना असली नाम महादेवी जी से छिपाया था।

IV. संसार में सभी को प्राय: अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं ?

(a) केवल IV

(b) केवल II

(c) I, III और IV

(d) I, II और IV

(v) भक्तिन ने महादेवी जी से अपने वास्तविक नाम का उपयोग न करने के लिए क्यों कहा ?

(a) विगत जीवन की कटु स्मृतियों से दूर रहने के कारण

(b) नाम के विपरीत जीवन में खुशियाँ न होने के कारण

(c) नाम के विपरीत जीवन में घोर ग़रीबी होने के कारण

(d) वास्तविक नाम पसंद न होने के कारण

6. पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *10×1=10*

(i) 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के आधार पर लिखिए कि यशोधर बाबू छुट्टी के समय अपने मातहतों से हँसी-मजाक क्यों करते थे ?

(a) आने वाले दिन में उनसे अपना काम करवाने के लिए

(b) उनकी नज़रों में अपने-आपको उनका हितैषी सिद्ध करने के लिए

(c) दिन-भर के शुष्क व्यवहार का निराकरण करने के लिए

(d) दफ़्तर के काम की दिन-भर की थकावट मिटाने के लिए

(ii) "बड़े बाऊ, आपकी अपनी चूनेदानी का क्या हाल है ?" 'सिल्वर वैडिंग' कहानी से ली गई इस पंक्ति में 'चूनेदानी' से किस चड्ढा की ओर संकेत किया है ?

(a) चूना रखने की डिब्बी
(b) घड़ी रखने की डिब्बी
(c) घड़ी
(d) पैन

(iii) "जब तक बाप है तब तक मौज कर ले।" यशोधर बाबू द्वारा अपने बच्चों से यह बात किस दृष्टि से कही जाती होगी ?

(a) उन पर व्यंग्य करने के लिए
(b) उनके भाग्य की सराहना करने के लिए
(c) बच्चों के सनाथ होने की प्रसन्नता व्यक्त करने के लिए
(d) मित्रों की नज़रों में ऊँचा उठने के लिए

(iv) 'सिल्वर वैडिंग' कहानी में पुत्र से गाऊन लेते समय यशोधर बाबू के हृदय को कौन-सी बात बेध गयी ?

(a) पुत्र द्वारा गाऊन की कीमत बताना
(b) पुत्र द्वारा दूध लाने की बात कहना
(c) पुत्र द्वारा उनके पुलोवर का फटा हुआ कहना
(d) गाऊन के नीचे पजामा-कुर्ता पहनने को कहना

(v) लेखक का पिता दत्ता जी राव के यहाँ से बुलावा आने की बात सुनकर तुरंत क्यों चला गया ?

(a) भयभीत होकर
(b) घबराहट में
(c) सम्मान समझकर
(d) ललचाकर

(vi) "दत्ता जी राव ने दादा की खूब हजामत बनाई।" 'जूझ' कहानी से ली गई इस पंक्ति में 'हजामत बनाई' का क्या आशय है ?

(a) खूब खातिरदारी करना
(b) दाढ़ी-मूँछ को साफ करना
(c) मारपीट करना
(d) खरी-खोटी सुनाना

(vii) निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :

I. आनंदा के पिता गाँव में सबसे पहले कोल्हू चलाते थे।

II. सौंदलगेकर जी लेखक को गणित पढ़ाते थे।

III. लेखक को कक्षा में बसंत पाटिल का साथ मिलता है।

ऊपरवर्णित कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं ?

(a) I और III
(b) II और III
(c) केवल I
(d) केवल III

(viii) मुअनजो-दड़ो के घरों में टहलते हुए लेखक को अनायास ही कौन-सा गाँव याद आ गया ?

(a) चंडीगढ़
(b) राजगढ़
(c) कुलधरा
(d) मरुधरा

(ix) 'महाकुंड का पानी रिस न सके और बाहर का अशुद्ध पानी कुंड में न आए', इसके लिए मुअनजो-दड़ो में क्या व्यवस्था की गई थी ?

(a) कुंड के पानी के बंदोबस्त के लिए कुएँ की व्यवस्था की गई।
(b) कुंड के चारों तरफ पक्के कक्षों की व्यवस्था की गई।
(c) कुंड के तल और दीवारों पर ईंटों की चूने और चिरोड़ी से चिनाई की गई।
(d) कुंड के पास पक्की और ईंटों से ढकी नालियों की व्यवस्था की गई।

(x) 'सिंधु घाटी मैदान की संस्कृति थी, पर पूरा मुअनजो-दड़ो छोटे-मोटे टीलों पर आबाद था।' क्यों ?

(a) सिंधु घाटी सभ्यता की सुरक्षा के कारण
(b) सिंधु नदी के किनारे बसा होने के कारण
(c) सिंधु घाटी सभ्यता के अद्वितीय वास्तुकौशल को स्थापित करने के लिए
(d) बाढ़ के समय सिंधु नदी के प्रकोप से बचने के लिए

खण्ड ब
(वर्णनात्मक प्रश्न)

7. निम्नलिखित दिए गए चार अप्रत्याशित विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *1×6=6*

(क) वर्तमान तकनीकी युग और हस्तशिल्प कलाएँ

(ख) आपसी रिश्तों में बढ़ती स्वार्थपरकता

(ग) विश्व जनमत में भारत का बढ़ता दबदबा

(घ) शीतलता बरसाता चाँद

8. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *2×3=6*

(क) नए अथवा अप्रत्याशित विषयों पर लेखन के संबंध में किन-किन बातों पर ध्यान देना चाहिए ?

(ख) रेडियो नाटक की प्रासंगिकता पर विचार करते हुए उसकी विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

(ग) कहानी और नाटक में क्या अंतर है ? दोनों की किन्हीं तीन मुख्य विविधताओं को स्पष्ट कीजिए।

9. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में दीजिए : *2×4=8*

(क) दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले समाचारों के विभिन्न चरण कौन-कौन से हैं ? किन्हीं चार चरणों का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

(ख) समाचार लेखन के संदर्भ में छह ककार कौन-कौन से हैं ? उनके महत्त्व पर टिप्पणी कीजिए।

(ग) 'विशेष लेखन' से आप क्या समझते हैं ? समाचार-पत्रों के संबंध में विशेष लेखन की उपादेयता पर प्रकाश डालिए।

10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *2×3=6*

(क) "कवि और कविता को समानांतर न रखकर कवि ने कविता और बच्चे को समानांतर रखा है।" 'कविता के बहाने' कविता के संदर्भ में तर्क सहित कारण स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'पतंग' कविता में कवि ने प्रकृति का अनूठा चित्रण किया है। उसे अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।

(ग) 'आत्मपरिचय' कविता में कवि एक तरफ तो सुख-दुख दोनों में मग्न रहने की बात करता है तथा दूसरी ओर अंतरतम में फूटती रुलाई की बात करता है। इन विरोधाभासी कथनों का आशय स्पष्ट कीजिए।

11. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : *2×2=4*

(क) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता से ली गई पंक्ति – 'हम समर्थ शक्तिमान एक दुर्बल को लाएँगे' से वर्तमान टी.वी. पत्रकारिता के किस रूप का पता चलता है ?

(ख) सूर्योदय से उषा की जादुई शक्ति का प्रभाव कैसे टूटता दिखाई दे रहा है ? 'उषा' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ग) तुलसीदास जी के युग और वर्तमान युग की बेकारी के कारणों में कौन-कौन सी समानताएँ हैं ? 'कवितावली' से उद्धृत छंदों के आधार पर लिखिए।

12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *2×3=6*

(क) महादेवी वर्मा ने भक्तिन के जीवन का दूसरा परिच्छेद किसे कहा है और उस परिच्छेद में भक्तिन का अनुभव कैसा रहा ?

(ख) 'बाज़ार दर्शन' पाठ के संदर्भ में लिखिए कि 'पर्चेजिंग पावर' से गर्वित लोगों का बाज़ार पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

(ग) 'काले मेघा पानी दे' पाठ में लेखक ने किन अंधविश्वासों की ओर संकेत किया है ? स्पष्ट कीजिए।

13. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : *2×2=4*

(क) 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर लिखिए कि रात्रि की विभीषिका को सिर्फ पहलवान की ढोलक ही ललकार कर चुनौती देती थी, कैसे।

(ख) शिरीष का फूल अपने जीवन की अजेयता के मंत्र का प्रचार किस प्रकार करता है ?

(ग) आदर्श समाज की संकल्पना के बारे में डॉ. आंबेडकर के क्या विचार हैं ? उन्हें अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।